Rapid Fire (करेंट अफेयर्स): 04 जून, 2022

सत्येंद्रनाथ बोस

गूगल ने 4 जून, 2022 को प्रसिद्ध भारतीय गणितज्ञ और भौतिक विज्ञानी सत्येंद्रनाथ बोस को भौतिकी और गणित के क्षेत्र में उनके असाधारण योगदान के लिये विशेष डूडल के साथ श्रद्धांजलि दी। सत्येंद्रनाथ बोस का जन्म 1 जनवरी, 1894 को हुआ था, **बोसॉन** एक **उप-परमाणविक कण (Subatomic Particles)** है जिसका नाम सत्येंद्रनाथ बोस के नाम पर पड़ा था। वे भारतीय मैथेमैटिशियन और ओरटिकिल फिजिक्स में वैज्ञानिक थे। बोस की भौतिकी, गणित, रसायन विज्ञान, जीव विज्ञान, खनिज विज्ञान, दर्शन, कला, साहित्य और संगीत सहित विभिन्न क्षेत्रों में व्यापक रुचि थी। उन्हें 1920 के दशक में **क्वांटम मैकेनिक्स** के क्षेत्र में उनके द्वारा दिये गए योगदान के लिये भी याद किया जाता है। उन्होंने **बोस स्टैटिस्टिक्स** और **बोस कंडेंसेट** की स्थापना की थी। बोस तथा आइंस्टीन ने मिलकर **बोस-आइंस्टीन स्टैटिस्टिक्स** की खोज की। 1924 में बोस ने शास्त्रीय भौतिकी के संदर्भ के बिना प्लैंक के क्वांटम विकिरण नियम पर एक पेपर लिखा। उन्हें भारत सरकार द्वारा 1954 में पद्म विभूषण पुरस्कार से सम्मानित किया गया था।

पुनीत सागर अभियान

एनसीसी (National Cadet Core) ने **30 मई, 2022** को अपने देशव्यापी प्रमुख अभियान **'पुनीत सागर अभियान'** के नवीनतम चरण की शुरुआत की, यह **अभियान 5 जून, 2022 को विश्व पर्यावरण दिवस** तक जारी रहेगा। इस अभियान के नवीनतम चरण में **10 राज्यों और 4 केंद्रशासित प्रदेशों के लगभग 74,000 कैडेट** भाग लेंगे। इन एनसीसी कैडेटों के साथ देश भर में कई स्थानों पर एनसीसी के पूर्व छात्र, स्थानीय लोग और पर्यटक भी इस अभियान से जुड़ेंगे। इस अभियान के दौरान एकत्र किये गए कचरे को सरकार/निजी एजेंसियों के सहयोग से पर्यावरण अनुकूल तरीके से निपटाया जाएगा। पुनीत सागर अभियान की शुरुआत **एनसीसी द्वारा नदियों और झीलों सहित समुद्र तटों एवं अन्य जल निकायों में मौजूद प्लास्टिक तथा अन्य कचरे को साफ करने, समुद्र तटों व नदी के किनारों को साफ रखने** के महत्त्व के बारे में स्थानीय आबादी के बीच जागरूकता बढ़ाने के लिये की गई थी। इस अभियान का उद्देश्य स्थानीय लोगों को **'स्वच्छ भारत'** के बारे में अवगत कराना और उन्हें इसके प्रति जागरूक बनाना है। एनसीसीका **गठन वर्ष 1948 (एच.एन. कुंजरु समिति-1946** की सिफारिश पर) में किया गया था। एनसीसी **रक्षा मंत्रालय** के दायरे में आती है और इसका नेतृत्व थ्री स्टार सैन्य रैंक के महानिदेशक द्वारा किया जाता है।

एकीकृत लैंडस्कैप प्रबंधन योजना

जल शक्ति मंत्रालय के जल संसाधन, नदी विकास और गंगा संरक्षण विभाग ने पर्यावरण एवं वन मंत्रालय तथा अन्य संबंधित संगठनों के साथ 2 जून, 2022 को ग्रेटर पन्ना लैंडस्केप के लिये एकीकृत लैंडस्केप प्रबंधन योजना की अंतिम रिपोर्ट जारी की। इस एकीकृत लैंडस्कैप प्रबंधन योजना को भारतीय वन्यजीव संस्थान (WII) ने केन-बेतवा लिंक परियोजना के संबंध में तैयार किया है। प्रधानमंत्री मोदी की उपस्थिति में केंद्रीय जल मंत्री और मध्य प्रदेश तथा उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्रियों के बीच 22 मार्च, 2021 को इस ऐतिहासिक समझौते पर हस्ताक्षर के बाद दिसंबर 2021 में भारत सरकार ने इसके कार्यान्वयन की मंज़ूरी दी थी। इस योजना में बाघ, गिद्ध और घड़ियाल जैसी प्रमुख प्रजातियों के बेहतर आवास संरक्षण एवं प्रबंधन के लिये प्रावधान हैं। इससे जैवविविधता संरक्षण तथा मानव कल्याण, विशेष रूप से वन आश्रित समुदायों के लिये परिदृश्य को समग्र रूप से समेकित करने में मदद मिलेगी। इससे मध्य प्रदेश में नौरादेही वन्यजीव अभयारण्य और दुर्गावती वन्यजीव अभयारण्य तथा उत्तर प्रदेश में रानीपुर वन्यजीव अभयारण्य के साथ संपर्क को मज़बूत करके इस परिदृश्य में बाघों को रखने की क्षमता में वृद्धि होने की उम्मीद है।